आरोप — पीड़ित पिता ने सीबीआई जांच की मांग करते हुए हाईकोर्ट में दायर की याचिका

सेना के ऑफिसर मेस में बेटी की संदिग्ध मौत

जबलपुर। जम्मू एंड कश्मीर आरआरसी के ऑफिसर गेस्ट हाउस में घटित घटना के बाद मिलिट्री अस्पताल में बेटी की हुई मौत के मामले की जांच सीबीआई से कराए जाने की मांग करते हुए पीड़ित पिता की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी है। याचिका में कहा गया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार बेटी के सिर में गंभीर चोट होने का उल्लेख किया है परंतु मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया गया है। तमिलनाडु निवासी याचिकाकर्ता पी दक्षिणामूर्ति की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि उनकी बेटी अधिवक्ता कविता का विवाह 2 मार्च 2025 को जेएके आरआरसी में डॉक्टर के पद पर पदस्थ मेजर ओम नागार्जुन से हुआ था। विवाह के दौरान उन्होंने 100 तोला सोना, हीरे का हार तथा एसयूपी 700 कार दी थी। इसके बाद घर का सामान खरीदने के लिए 15 लाख रुपये दिये थे। इसके कुछ समय बाद मेजर ओम नागार्जुन को अस्पताल खुलवाने के लिए 2 करोड़ रुपये की मांग करने लगे। बेटी की शादी में हुए खर्च के कारण आर्थिक स्थिति ठीक नही होने के कारण उन्होंने रुपये देने से इंकार कर दिया। बेटी व दामाद ने जबलपुर जाने के लिए वह भी अपने परिवार के साथ मदुरै एयरपोर्ट गये थे। इस दौरान भी दामाद के लिए अस्पताल खुलवाने उसके पिता ने दो करोड़ रुपये मांगे थे। जबलपुर पहुंचने के बाद दामाद के अनुसार 9 जुलाई 2025 को उसकी बेटी बाथरूम में गिर गयी थी,जिसे उपचार के लिए मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया। उपचार के दौरान उसकी बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता मनीष वर्मा ने बताया कि रिकॉर्ड के अनुसार ऑफिसर मेस के बाथरूम कविता उम्र 28 साल 9 जुलाई 2025 की रात को गिरी थी। उसके मिलिट्री अस्पताल में 10 जुलाई को 0.39 बजे एडमिड करवाया गया था। ऑफिसर मेस से अस्पताल के बीच का रास्ता की दूरी महज पांच मिनट की है। कविता को सिर में गंभीर चोट आई थी और उसका पति खुद डॉक्टर है। डॉक्टर होने के कारण उसे पूरी परिस्थितियों का ज्ञान था। ऑफिसर मेस से अस्पताल के बीच लगभग तीन घंटे के दौरान कविता के साथ ऐसा कुछ किया गया था,जिससे उसकी मौत हो जाये। अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार उसे बेहोशी की अवस्था में अस्पताल लाया गया था। उसके पति के बताया था कि कविता के सीने में दर्द हो रहा था। गोरा बाजार पुलिस ने मर्ग कायम किया परंतु किसी प्रकार की जांच नहीं की। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर प्रकरण में जांच अधिकारी नियुक्त करने की मांग की गयी। शादी के महज 99 दिन बाद संदिग्ध परिस्थितियों में नवविवाहिता की मौत की जांच नियम अनुसार राजपत्रित अधिकारी से कराई जानी चाहिए थी। पूरे मामले में पुलिस की भूमिका भी संदेह के दायरे में है। पीड़ित परिवार के द्वारा जब जांच की मांग करते हुए जिला न्यायालय में परिवाद पेश किया गया तो पुलिस के द्वारा दो डॉक्टरों के बयान पेश किया गये। जिसमें कहा गया है कि कविता को दस बजे मिलिट्री अस्पताल में लाया गया है। जबकि मिलिट्री अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार उसे रात 0.39 बजे दाखिल गया था। स्पष्ट रूप से यह मामला दहेज हत्या का है और ऐसी परिस्थिति निर्मित की गयी गयी कविता की मौत हो जाये। पूरे मामले में पुलिस अधीक्षक तथा गोरा बाजार पुलिस साक्ष्यो को छुपा रहे है। सीबीआई जांच से ही वास्तविकता उजागर होगी। पीड़ित के पिता ने सीबीआई जांच मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

दस साल पहले लापता व्यक्ति को 140 करोड़ की आबादी में तलाश करना मुश्किल कार्य

जबलपुर। हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस विवेक रूसिया तथा जस्टिस विजय शुक्ला की युगलपीठ ने अपने आदेष में कहा है कि एक दशक पूर्व लापता व्यक्ति को 140 करोड़ की आबादी में तलाशना मुश्किल कार्य है। युगलपीठ ने दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का पटाक्षेप करते हुए पुलिस को निर्देशित कि है कि युवती की तलाश जारी रखें और उसके मिलने पर याचिकाकर्ता पिता के सुपुर्द की जाये।जबलपुर निवासी सीताराम बर्मन की तरफ से साल 2024 में दायर याचिका में का गया था कि उसकी 17 वर्षीय बेटी साल जुलाई 2016 में लापता हो गयी थी। बेटी को लापता हुए आठ साल से अधिक का समय गुजर गया है परंतु पुलिस उसकी तलाश नहीं कर पाई है। याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस को लापता युवती की तलाश का पेश करने के आदेष जारी किये थे। याचिका की सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने पाया कि पुलिस की तरफ से युवती की तलाश में किये गये। प्रयासों के संबंध में 21 स्टेटस रिपोर्ट पेश की।पुलिस द्वारा किये गये प्रयासो से हम संतुष्ठ है। दस साल पहले लापता हुए व्यक्तियो को 140 करोड़ की आबादी वाले देश में खोजना मुश्किल काम है।

दफ्तरों के गलियारे

जब बड़े साहब ने लगाई जमकर फटकार....

दिनदहाड़े गौर एकता मार्केट के पास से नगर निगम के वाहन से डीजल चोरी हो गया और पूरा पूरा एक दिन बीत जाने के बाद डीजल प्रभारी के कानों तक भनक नहीं थी कि ये कृत्य घटित हो गया है। ये बात लाल बिल्डिंग के बड़े साहब को कानों तक पहुंची तो उन्होंने तत्काल संबंधित अधिकारी को जमकर फटकार लगाई, बस फिर क्या था, महोदय ने वाहन चालक द्वारा बताई गई सफाई बतानी शुरू कर दी। उसके बाद लाल बिल्डिंग में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। लिहाजा बड़े साहब के कड़े रवैये से चालक को तो हटा दिया गया लेकिन नगर निगम के सभी सीएसआई के खेमे में हड़कंप अभी तक मचा हुआ है क्योंकि सूत्रों की माने तो निगम के सभी सीएसआई के अंडर में नगर निगम के वाहनों में डीजल भरवाया जाता है और डीजल चोरी के खेल में कहीं न कहीं सीएसआई भी संलिप्त नजर आते हैं। ऐसे में अब वे काफी दहशत में आ चुके हैं।

मैडम की नई-नवेली कुर्सी और बिना सैंडल की दौड़!

थाने का कमरा, चमचमाती कुर्सी और उस पर नई-नवेली मैडम रौब से बैठीं थी तभी अचानक खबर आई ब्लैक स्पॉट पर फिर भयंकर एक्सीडेंट हो गया। फिर क्या था! रौब धरा का धरा रह गया। मैडम ऐसी भागीं कि पैर की सैंडल हाथ में आ गई। पहनने तक का टाइम नहीं मिला! एक हाथ में सैंडल लहराते हुए जब मैडम थाने के गेट से बाहर निकलीं, तो पुलिस के जवान भी हक्के-बक्के रह गए। पूरा थाना खाली हो चुका था, बस दो सिपाही मौजूद थे। जिन्होंने आपस में खुसर-पुसर शुरू कर दी। पहला सिपाही हंसते हुए बोला, गुरु! मैडम के हालात देखे? एक हाथ में सैंडल लेकर जिस रफ्तार से भागी हैं, वो बता रहा है कि मैडम को एक्सीडेंट से ज्यादा अपनी कुर्सी दोबारा खिसकने का डर सता रहा है! दूसरा सिपाही चुटकी लेते हुए अरे यार, मैडम तो अभी-अभी आई हैं, इसलिए फुर्ती दिखा रही हैं। पर असली कसूरवार तो वो पुराने साहब लोग हैं, जो बरसों से यहाँ कुर्सियाँ तोड़ रहे थे। अगर उन लोगों ने पहले ही उस ब्लैक स्पॉट को ठीक करवा दिया होता, तो आज बेचारी मैडम को बिना सैंडल के यूं नंगे पैर नहीं दौड़ना पड़ता!

विवेक दुबे, अजहर खान

चार दिन से आतंक का पर्याय बनी थी खतरनाक कोबरा नागिन

नवभारत, जबलपुर। भेड़ाघाट थानांतर्गत ग्राम सिहौदा में रहने वाले रमेश भुमिया के घर में विगत तीन दिन से एक चार फीट लंबी कोबरा नागिन पूरे घर में घूम घूम कर दहशत का पर्याय बनी हुई थी। कभी किचन में तो कभी टीवी सैट के ऊपर,तो कभी स्नान कक्ष में फन फैलाए बैठी देखकर पूरा परिवार दहशत में था। शनिवार सांयकाल साढ़े पांच बजे जब नागिन गेंहू के बोरों के बीच बैठी थी तभी परिजनों ने सर्प विशेषज्ञ गजेन्द्र दुबे को सूचना दी जिन्होंने मौके पर पहुंचकर रैस्क्यू करते हुए नागिन को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया।दुबे के अनुसार पकड़ी गई नागिन कोबरा प्रजाति की है, जो कि बेहद खतरनाक और आक्रामक होती है। यदि सर्प दंश के बाद तीन घंटे के भीतर मेडिकल उपचार ना मिलने पर पीड़ित की जान संकट में आ सकती है। सांप के पकड़े जाने पर सभी ने राहत की सांस ली।

तेज हवाएं चली, रिमझिम फुहारों से भीगा शहर

नवभारत, जबलपुर। शहर में शनिवार को मौसम के कई मिजाज देखने को मिले। सुबह की शुरुआत तीखी धूप के साथ हुई, जिससे उमस और गर्मी का असर बना रहा। दोपहर होते-होते आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू हो गई और दिनभर सूरज-बादलों के बीच लुकाछिपी का खेल चलता रहा। शाम करीब 4:30 बजे अचानक मौसम ने करवट ली। देखते ही देखते आसमान में घने बादल छा गए और धूलभरी तेज हवाएं चलने लगीं। अंधड़ के बाद शुरू हुई रिमझिम बारिश ने मौसम को पूरी तरह खुशनुमा बना दिया। ठंडी हवाओं के चलने से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिली है। शाम साढ़े पांच बजे तक 3 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई। सीजन में वर्षा का आंकड़ा 42.2 मिमी पर पहुंच गया है।

ऐसा रहा तापमान

शनिवार को अधिकम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री पर पहुंच गया जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा। सुबह के वक्त आद्रता 68 और शाम 81 प्रतिशत दर्ज की गई। दक्षिण-पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किमी की रफ्तार से चली।

50 किमी रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट

मौसम विभाग ने सक्रिय मौसम प्रणालियों के असर से गरज चमक के साथ बारिश होने और इसके साथ ही 40 से 50 किमी की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट जारी किया है।

घर में गिरा पेड, टीनशेड उड़े बिजली पोल गिरा, ठेला पलटा

नवभारत, जबलपुर। कुंडम कुंडेश्वर धाम में शनिवार दोपहर तीन बजे तेज तूफान ने तबाही मचाई। महज कुछ ही मिनटों की आंधी में कई आशियाने उजड़ गए और व्यापारिक नुकसान हुआ। पेड़ एवं बिजली पोल गिर गया। इसके साथ टीन शेड भी उड़े। जानकारी के अनुसार आंधी का सबसे ज्यादा असर पशु चिकित्सा विभाग के पास देखने को मिला। यहाँ लगा एक भारी-भरकम पेड़ तेज हवाओं के कारण एक आवासीय मकान पर जा गिरा। इसके अलावा दुकानों और घरों के ऊपर लगे भारी टीनशेड तिनके की तरह उड़ गए। एक दुकान का टीनशेड उड़कर सीधे बीएसएनएल विभाग के परिसर के अंदर जा घुसा। वहीं, फुलकी का ठेला भी हवा के झोंके से पलट गया। तूफान का तांडव यहीं नहीं रुका। कई दुकानों के टीनशेड हवा में सैकड़ों फीट दूर उड़कर किसी के खेतों में तो किसी के घरों की छतों पर जा गिरे। इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए यहाँ-वहाँ भागने लगे। आंधी के कारण एक भारी विद्युत पोल भी उखड़कर जमीन पर आ गिरा।

आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत

नवभारत,जबलपुर। कुण्डम थाना अंतर्गत ग्राम गनियारी में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। धान की बोनी करने गए किसान का शव रात भर तलाश के बाद शनिवार सुबह खेत में महुआ के पेड़ के नीचे टिके हुए संदेहास्पद हालत में मिला।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम गनियारी निवासी दिनेश मार्को (45) ने बताया कि उसके जीजा बाबूलाल मसराम (36) पिछले 20 सालों से सपरिवार उसके साथ ही रहते थे और दोनों मिलकर खेती-किसानी करते थे। शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे बाबूलाल अकेले ही हल-बैल लेकर खेत में धान बोने गए थे। शाम करीब 6 बजे दोनों बैल तो हल सहित घर वापस लौट आए, लेकिन बाबूलाल गायब थे। अनहोनी की आशंका के चलते परिजनों और ग्रामीणों ने रात 8 बजे से लेकर देर रात तक खेतों और आसपास के इलाकों में बाबूलाल की भारी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। शनिवार सुबह करीब 6 बजे बाबूलाल की पत्नी सुभद्रा दोबारा हल और बैल लेकर खेत की तरफ गईं। वहां जैसे ही उनकी नजर महुआ के पेड़ पर पड़ी, उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। बाबूलाल पेड़ के तने से टिके हुए अचेत पड़े थे। सुभद्रा ने तुरंत रोते हुए अपने भाई दिनेश को फोन पर इसकी सूचना दी। दिनेश ग्रामीणों को लेकर मौके पर पहुंचा, तो देखा कि बाबूलाल की सांसें थम चुकी थीं प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि खेत में काम करने के दौरान अचानक मौसम बदला और आकाशीय बिजली गिरने के कारण किसान बाबूलाल मसराम की मौके पर ही मौत हो गई।

सीएम का पुतला दहन कर युवा कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जमीन घोटाले मामले की निष्पक्ष जांच की मांग

नवभारत,जबलपुर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर लगाए जा रहे कथित जमीन घोटाले के आरोपों को लेकर प्रदेश की राजनीति में घमासान तेज हो गया है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया के निर्देश पर जबलपुर शहर युवा कांग्रेस नेता एड. रोहित वंशकार(मोन्टी) और जिला महासचिव गौरव सिंह राजपूत के नेतृत्व में शनिवार को कांचघर चौक पर मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कथित जमीन घोटाले की निष्पक्ष जांच कराने और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता कांचघर चौक पर एकत्रित हुए। हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए। जैसे ही कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का पुतला जलाने का प्रयास किया, मौके पर मौजूद पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की और झड़प भी हुई। युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष सतेंद्र (सोनू) कुकरेले ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़े जमीन प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। यदि सरकार पारदर्शिता और सुशासन की बात करती है तो मुख्यमंत्री को नैतिकता के आधार पर पूरे मामले में अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। उज्जैन में लगभग 500 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी जमीन मात्र 1 रुपये में एक ट्रस्ट को आवंटित की गई, जिसके ट्रस्टी मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार बताए जा रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से प्रकाशित एवं नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072, E mail-navbharatjabalpur@gmail.com पो.रजि.नं.201-04/2003 RNI Reg No.1537/57